भारत सरकार

पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय

राज्य सभा

तारांकित प्रश्न संख्या. *10

दिनांक 17.07.2017 को उत्तर दिए जाने के लिए

स्वच्छ पेयजल के प्रावधान की लागत में वृद्धि के बावजूद जल जनित रोगों में वृद्धि

***10. श्री बसावाराज पाटिलः**

क्या पेयजल और स्वच्छता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने सरकारी और निजी संगठनों द्वारा स्वच्छ पेयजल मुहैया कराए जाने की बढ़ती लागत के संबंध में कोई आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) स्वच्छ जल प्रदान करने की बढ़ती लागत के बावजूद जल–जनित रोगों में वृद्धि होने के क्या कारण हैं?

उत्तर

पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री

(श्री नरेन्द्र सिंह तोमर)

(क) और (ख) का विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

*****

दिनांक 17.07.2017 को देय राज्य सभा तारांकित प्रश्न संख्या *10 के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) ग्रामीण आबादी को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने वाली स्कीमों की लागत विभिन्न कारकों पर निर्भर करती है जैसे (i) बसावट का भू-भाग/अवस्थिति (ii) जल के स्रोतों की प्रकृति- (सतही जल/भू-जल) और इनकी गहराई (iii) जल की गुणवत्ता (iv) सेवा स्तर- (लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन) और (v) स्कीमों का प्रकार-(हैंड पंप/एकल ग्राम नल जलापूर्ति योजना/बहु-ग्राम नल जलापूर्ति योजना आदि।

एक पेयजलापूर्ति स्कीम में इलैक्ट्रो-मैकेनिकल, सिविल कार्य तथा पाइपिंग नामक घटक होते हैं समय के साथ-साथ इनपुट सामग्री और इसमें लगी मजदूरी के दामों में बढ़ोत्तरी के कारण स्कीमों की लागत में वृद्धि हो रही है। चूँकि ग्रामीण जलापूर्ति राज्य का विषय है और सभी ग्रामीण जलापूर्ति स्कीमों का कार्यान्वयन राज्य सरकारों द्वारा किया जाता है, इसीलिए पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय, स्कीमों के सूक्ष्म-प्रबंधन में शामिल नहीं है।

(ख) जलजनित बीमारियां ज्यादातर स्वच्छ संदूषित जल से संचारित होने वाले रोग जनक सूक्ष्मजीवाणुओं से होती हैं। आमतौर पर यह संक्रमण स्नान, कपड़े आदि धोने, पीने, खाद्य पदार्थों को तैयार करने के दौरान अथवा संदूषित खाद्य पदार्थों के सेवन से होती हैं। इसका कारण असुरक्षित जल आपूर्ति ,स्वच्छता और व्यक्तिगत साफ-सफाई है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की वेबसाइट पर उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार वर्ष 2013 से 2016 तक की अवधि के दौरान हैजा (कॉलरा) के मामलों में कमी आई है जबकि इसी अवधि के दौरान टाइफाइड और अतिसार (डायरिया) के मामलों में वृद्धि हुई है।

स्वच्छ जल उपलब्ध कराने की लागत में वृद्धि से जल जनित बीमारियों के बढ़ने अथवा घटने का कोई संबंध नहीं है क्योंकि पेयजल कई कारणों में से मात्र एक कारण है और इसपर भी पेयजल के स्रोत पर असुरक्षित तथा साफ-सफाई न रखने की प्रथाओं, पानी की आपूर्ति (लाने -ले जाने) तथा उपभोग के विभिन्न स्तरों पर असुरक्षा ही इसके मुख्य कारण हैं।

*****